

लाल समुन्द्र पार कियौ



Bangani

लाल समुन्द्र पार कियौ

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india





<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work, but you may distribute the resulting work only under the same or similar license to this one. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

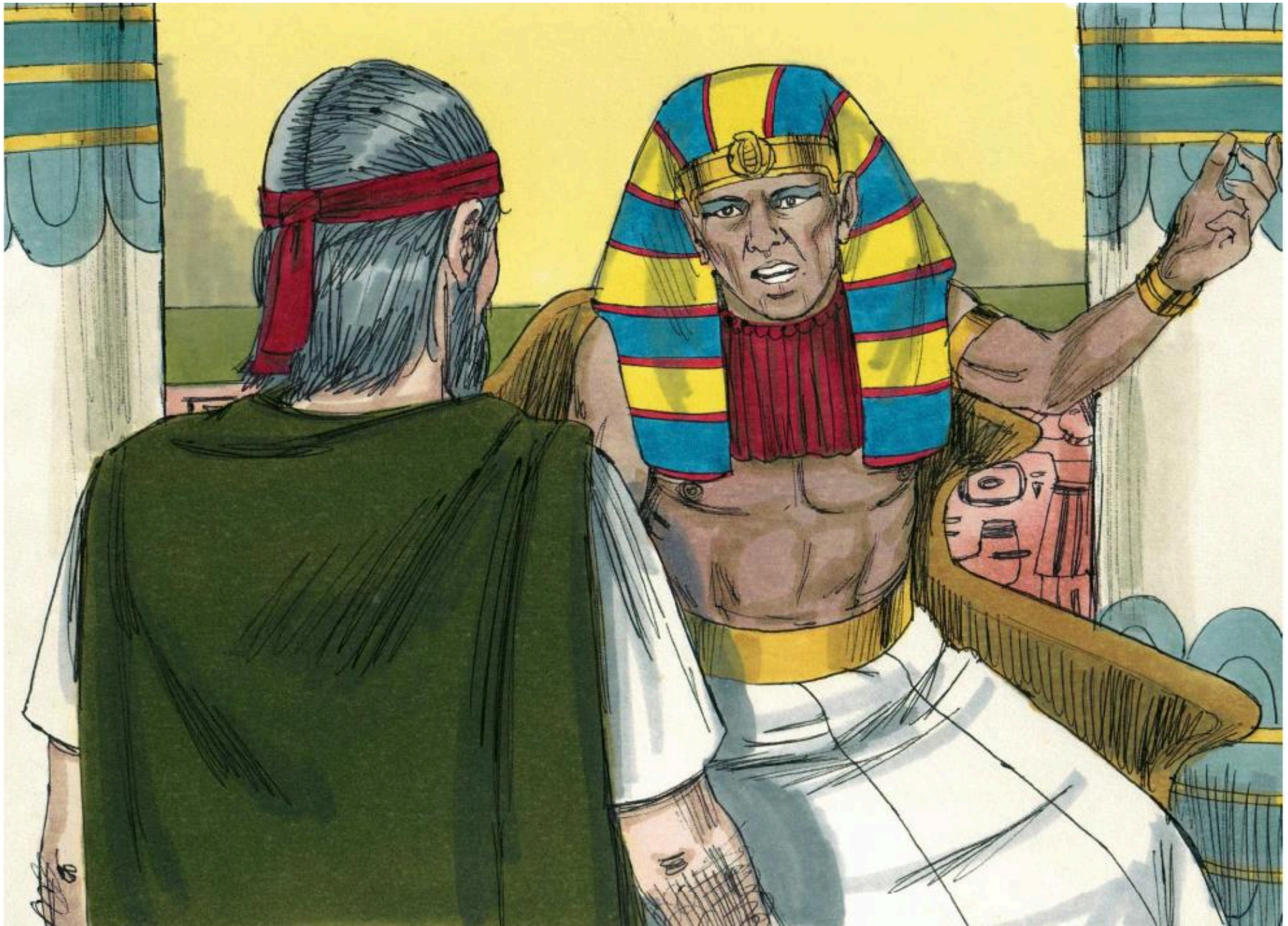
परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी सिमित समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है जिसमें मूसा ने लाल समुन्द्र को कैसे पार किया। उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



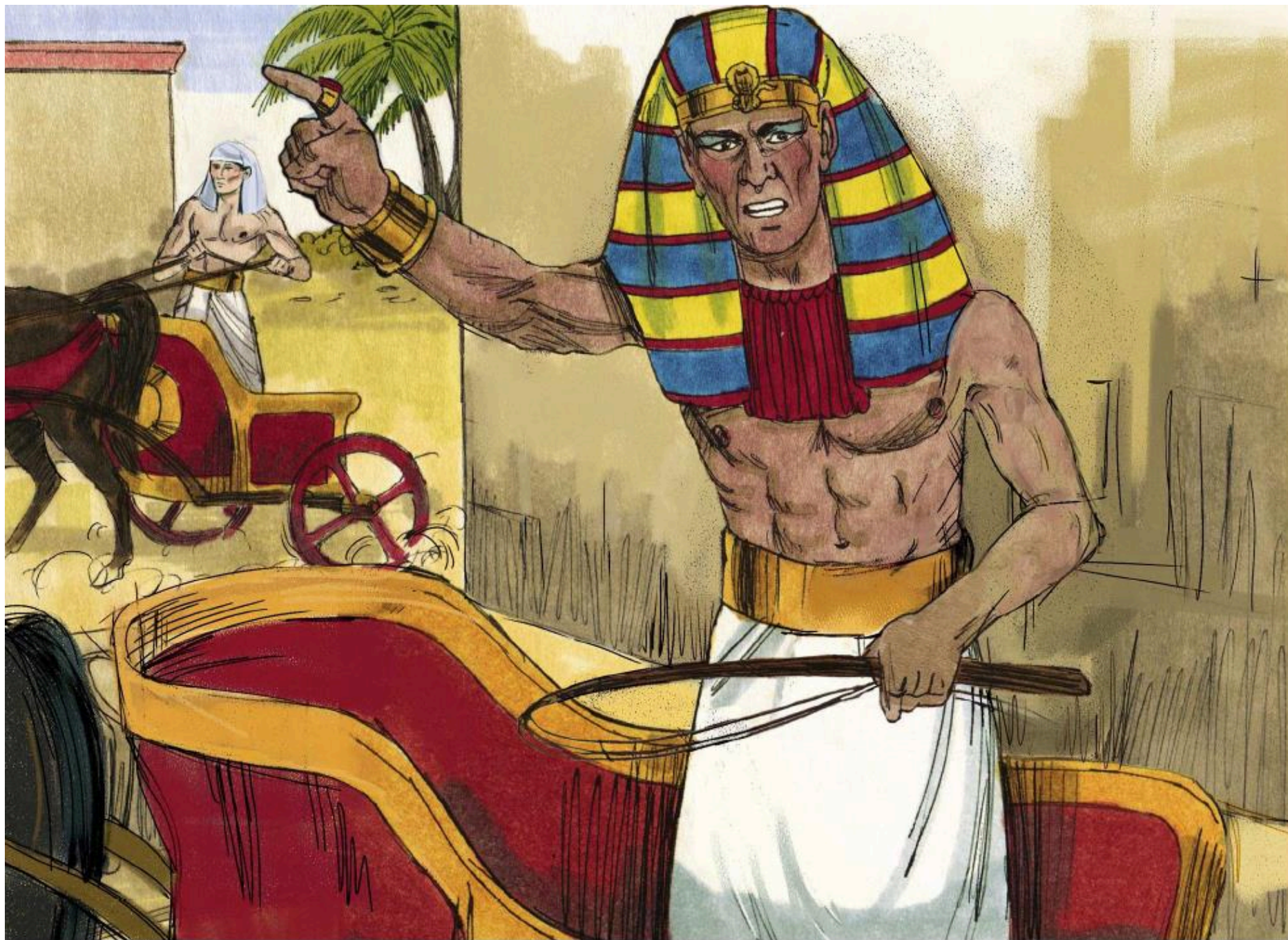
परमेश्वर रै बोलने रि बौजै कौइ मुसा फिरोन राज़ा
काइ डेइयौ बोलदै लागौ कि इस्राइलिउं डेणै दै,
पर राज़ाइ सै डेणै ना दै। तैबै परमेश्वरेइ मिस्रिउं
खि दश परशानियै छाड़ी तैबै राज़ाइ सै डेणै दै।



तैबै मुसा सारै इस्राइली लोगु गिणियौ डैऔ। सेज़ौ
बौक्ते दि परमेश्वरेइ मिस्री लोग एती दौयालू चाणै,
ज़ौ कुछ तिउं मांगौ तिउंके दैऔ। मिस्र कौइ डेन्दु
बैरै पेटारौउं छोड़ियौ छौ लाख मौर्द थै।



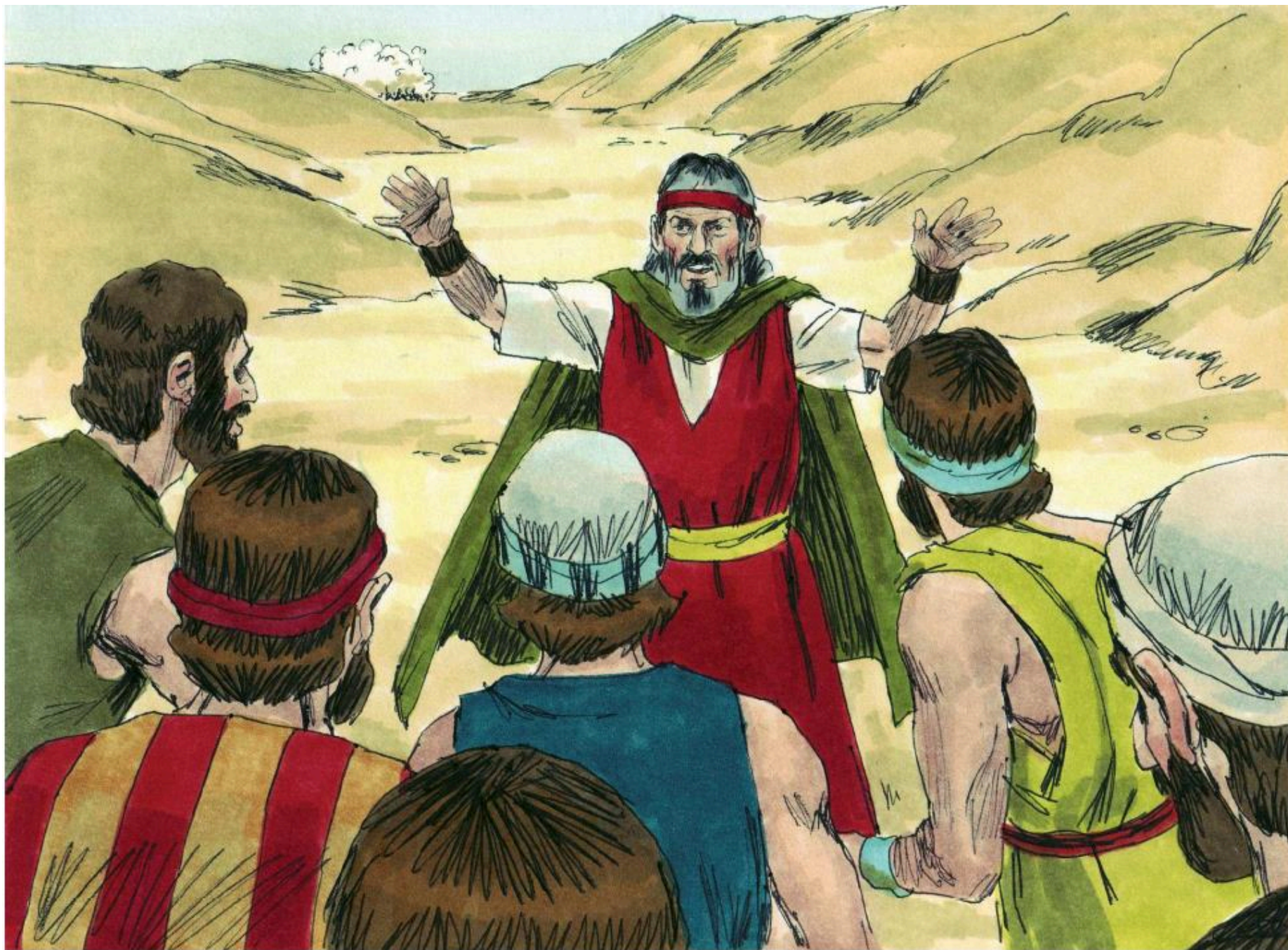
परमेश्वरेइ तिउं कौइ दूसे खि बाट देखाळणे खि
बादल रौ खौम्बे दि औज़ि राती खि आशौ देणने
खि आगी रौ खौम्बे दि औइयौ तिउंरै औगौणिकै
– औगौणिकै डै थौ, ज़ेसकौइ सै दुसे खि औज़ि
राती खि आन्डैण थै। तिणी ना तै बादल रौ
खौम्बौ दूसै, औज़ि ना तै आग रौ खौम्बौ रात,
लोगु रै औगौणिकै कौइ गाड़ौ



जौ राज़ाइ देखौ कि इस्राइली लोग डेइ गोए। तैबै
राज़ाइ सुँचौ कि मुइं एऊ का कियौ, मुइं आपड़ि
गुलामी माइं कौइ इस्राइली लोग डेणै दै? तैबै
परमेश्वरेइ फिरोन राज़ा रौ ज़िउ काट्टौ कियौ,
औज़ि सै सारै गोडै औज़ि रथ गिणियौ तेसरी सेना
तिउं वापस आणने खि तिउंरौ पिछौ कियौ।



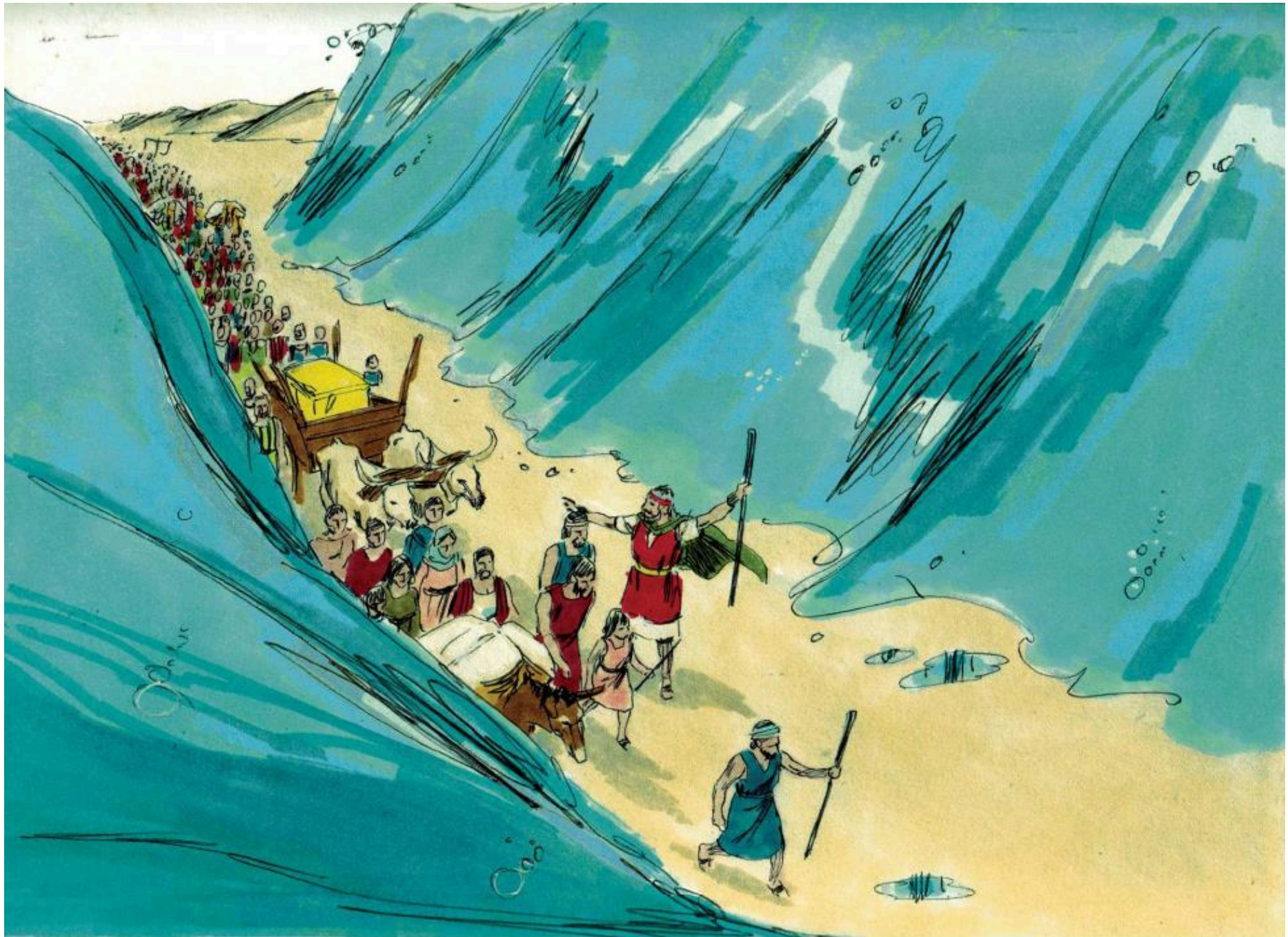
सेजौ बौक्ते दि इस्राइली लोग लाल समुन्द्र काइ
पौइचै, जौ फिरोन राज़ा तिउंरै नौज़ीक आयै तैबै
इस्राइली लोगु देखौ, कि फोरोन औज़ि तेसरी
सेना आमारै पौछौणिकै आइ गोइ। एशौ देखियौ
सै डौरी मौरै। तैबै सै परमेश्वर कौइ प्राथना कौरदै
लागै, औज़ि मुसा आरि बोल्दै लागै, कि का ताइं
आमै मिस्र कौइ एत्कै जौगाणेखि आणै।



तैबै मुसाइ लोगु आरि बोलौ, डौरौ नौथि खौडै
खौडै परमेश्वर रौ चमत्कार रै काम देखौ। ज़ुणज़ौ
परमेश्वर एत्रा तुम्खी कौरै, केलाकि ज़िऊं मिस्रिऊं
तुमै एत्रा देखैण तिऊं तुमै ऐबै कादि नाऽलै देखै।
परमेश्वर आफुइ तुम्खी ज़ुटियै एज़ी बौज़ै कौइ तुमै
चुप रौइयौ। तैबै मुसाइ परमेश्वर कौइ प्राथना की।



तैबै परमेश्वरेइ मुसा आरि बोलौ, तु मुकौइ केला
रौ प्राथना कौरदै लागी? इस्राइलिउं खि आज्ञा दै,
एतकौइ औगौऊं डेऔ। औज़ि तु आपड़ौ डिंगौ
टिपियौ आपड़ौ आथ समुन्द्र री पौशै कौर, औज़ि
सेउ दुइ पौशै औयै लौ, तैबै इस्राइली लोग समुन्द्र
रै बिच्चे दि खाली जागै दि डै लै।



तैबै परमेश्वर रै बोलनै रै बौजै कौइ मुसाइ डिंगौ
टीपौ औज़ि समुन्द्र रि पौशै कियौ, औज़ि सेज़ौ
बौक्ते दि समुन्द्र रौ पाणि दुइ पौशै बाँटुवौ, औज़ि
शुकौ माटौ दिशदै लागौ, औज़ि इस्राइली लोग
समुन्द्र रै बिचे दि शुकै माटै माइं पारै डै। औज़ि
पाणियेइ तिउँरै सुळटी पौशै औज़ि ऊळटी पौशै
दिवाल रौ काम कियौ



तैबै फरोन रि सेना आपड़ै गोड़ै रथ रै साथै तिउँरै
पौछौणिकै समुन्द्र रै बिचे दि डै, तैबै परमेश्वरेइ
आगी रै खौम्बै कौइ देखियौ सै डौराए। औज़ि
तिउँरै रथ रै टाइर पोरु गाड़ै, तैबै मिस्री सेना एशौ
बोलियौ बागदि लागी, परमेश्वर रौ इस्राइल री
पौशै कौइ आमारै साथै जुटिन्दै लागी।



तैबै परमेश्वरेइ मुसा आरि बोलौ, कि आपड़ौ
डिंगौ समुन्द्र रि पौशै कौर। ज़ेसकौइ मिस्रिऊं रै
रथ औज़ि सेनाऊं माइ पाणि बौन्दै लागै लौ। तैबै
मुसाइ तेशौइ कियौ, औज़ि सारौ पाणि तिउंमाइं
पौळटुवौ औज़ि सारी सेना डुबियौ पोरु मौरी,
औज़ि तिउंमाइ कौइ कोइ बि ना बौचै।



21-17-12

तैबै मुसा औज़ि इस्राइलिउं परमेश्वर खि गीत
गाए, औज़ि परमेश्वरेइ सेजौ दुसै इस्राइली मिस्र रै
गुलामी कौइ छुड़ाए, औज़ि परमेश्वरेइ मिस्रिउं
कौइ जौ आपड़ि शौक्ति देखाइ। तेस देखियौ
इस्राइलिउं परमेश्वर रौ डौर मानौ। औज़ि तेसरै
दास मुसा दि बि बिश्वास कियौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.